Unit-4A

7 KING JOHN AND THE ABBOT OF CANTERBURY

LEARNING OUTCOME

- **Reads text for pleasure, identifies details, characters, main idea and sequence of ideas and events while reading.**
- Answers textual questions.
- Refers to a dictionary.
- Know the usage of possessive pronouns.
- Writes descriptions, writes short personal/biographical experiences.

सारांश

"There was once.....see him,"

हिन्दी अनुवाद– एक समय इंग्लैण्ड में जॉन नामक एक राजा रहता था। वह एक बुरा, कर्कश, कठोर और अपनी प्रजा के लिए निर्दयी राजा था। वह अपने घमण्ड में चूर रहता था। उसे अपनी प्रजा की कोई चिन्ता नहीं थी।

कन्टरबरी नाम के एक शहर में एक अमीर पादरी रहता था। वह 'द एबे' नामक एक शानदार हवेली में रहता था। रोजाना उसके बड़े घर में दावत पर एक सौ कुलीन लोग उस महन्त (पादरी) के साथ भोजन करने बैठते थे जबकि पचास ऊंचे ओहदों के वीर सैनिक जो कीमती कपड़े पहने रहते थे गले में सोने की चेन रहती थी, टेबल पर उस महत के आने का इंतजार करते थे।

राजा जॉन ने जब उस महंत के बारे में सुना जो उससे भी बढ़िया जिन्दगी जी रहा है, तो उसने इस पर रोक लगाने की सोची। इसलिए उसने उस बूढे आदमी यानी महत को अपने पास आने का संदेश भेजा।

"SCENE:1.....than a week to live

दृश्य : 1 (राजा जॉन का दरबार)

राजा जॉन : तो फादर एबॉट (महंत)। मैंने सुना है कि तुम्हारे पास मुझसे भी सुंदर महल है। ऐसा करने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ? तुम्हें पता नहीं कि यहाँ पर राजा से बेहतर जीवन कोई और नहीं जी सकता।

पादरीः ओ राजन ! मैं विनम्रतां के साथ कहना चाहता हूँ कि मैं तो सिर्फ अपनी ही चीज खर्च कर रहा हूँ। मुझे गलत न समझें और मुझे अपने दोस्तों और बहादुर योद्धाओं जो मेरे साथ हैं इनके साथ चैन से रहने दें।

राजा जॉनः तुम्हें समझने में मुझे कोई गलती नहीं हुई है। इस राज्य में जो भी है. मेरा है। तुमने साहस कैसे किया मुझसे भी शानदार जीवन जीने का? तुम मेरे बदले खुद राजा बनना चाहते हो।

पादरीः ओह कृपा कर ऐसा न कहें। क्योंकि मैं–

राजा जॉनः एक भी शब्द और नहीं (चीखकर राजा बोला) ! तुम्हारा दोष स्पष्ट है और यदि तुम मेरे तीन प्रश्नों का उत्तर नहीं देते हो, तो तुम्हारा सिर काट लिया जायगा और तुम्हारी सारी संपत्ति मेरी हो जायगी।

पादरीः मैं आपके प्रश्नों का उत्तर देने की कोशिश करूँगा, राजन !

राजा जॉनः अच्छा, तो मैं जो यहाँ सोने का मुकुट पहन कर बैठा हुआ हूँ, तुम्हें मुझे एक दिन के अंदर बताना होगा कि–मैं कब तक जिऊँगा, दूसरा सवाल, मैं कब, कितनी जल्दी पूरी दुनिया का चक्कर लगा पाऊँगा, और आखिरी सवाल, तुम्हें बताना होगा कि मैं क्या सोच रहा हूँ।

पादरी : ओ राजन ! आपके सवाल (प्रश्न) बड़े गहरे हैं, कठिन प्रश्न हैं और मैं इनका उत्तर तुरंत नहीं दे सकता । पर, यदि आप मुझे इन पर सोचने के लिए दो सप्ताह का समय देते हैं, तो मैं अपनी पूरी शक्ति से इन प्रश्नों का उत्तर देने की कोशिश करूँगा।

राजा जॉनः दो सप्ताह का समय है तुम्हारे पास, लेकिन अगर तुम असफल हुए तो तुम अपना सिर भी खोओगे और सारी संपत्ति भी।

पादरी उदास और गहरे भय के साथ दरबार से निकला । वह इंग्लैण्ड के ऑक्सफोर्ड व कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयों में गया, विद्वानों से वे प्रश्न पूछे–पर उसे वहाँ भी उन प्रश्नों का जवाब न मिला।

अन्त में निराश होकर, दुःखी मन से वह पादरी अपने घोड़े पर सवार वापस लौटा, अपने दोस्त और वीर योद्धाओं को अलविदा कहने, चूँकि अब उसके पास एक सप्ताह से भी कम समय बचा था।'

"SCENE-II (In the countryside) .....outdoor London)"

दृश्य : II (आक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयों से पादरी द्वारा लंदन लौटते हुए) रास्ते में वापस लौटते हुए पादरी को एक गड़ेरिया मिला जो अपने खेत में जा रहा था।

गड़ेरियाः स्वागत है मालिक। राजा जॉन के पास से आप हमारे लिए क्या समाचार लाये हैं?

पादरी : बुरी खबर!

(पादरी ने गड़ेरिए को सारा किस्सा सुनाया।)

गड़ेरिया : खुश हो जाएँ आप अच्छे मालिक! क्या आपने नहीं सुना कि एक मूर्ख भी एक विद्वान को चालाकी सिखा सकता है? मैं आपको इस संकट से निकाल सकता हूँ।

पादरी : तुम मेरी मदद, कैसे कर सकते हो?

गड़ेरिया : अच्छा. आपको तो पता है, सभी कहते हैं, मैं आपके जैसा दिखता हूँ। सो, आप अपने नौकर–चाकर, घोड़ा, अपना कपड़ा, लबादा मुझे दे दीजिए। मैं लंदन जाऊंगा और राजा से मिलूँगा। अगर कुछ न कर सका तो कम से कम में आपके लिए अपनी जान तो दे ही सकता हूँ।

पादरी : अच्छे आदमी, तुम बहुत दयालु हो। तुम अपनी योजनानुसार काम करो। अगर बहुत बुरा होगा भी तो तुम नहीं अपनी जगह पर मैं ही मरूँगा।

इस प्रकार, गड़ेरिया ने उस पादरी का वेष बनाया। पादरी का लबादा पहना, उसको टोपी ली। सुनहरी छड़ी ली। सहारा लेकर चलने के स्वांग ले लिए, फिर पादरी के घोड़े पर बैठ कई नौकर–चाकरों के साथ लंदन के लिए रवाना हो गया।

SCENE III (At king.....because of you.)

दृश्य III (राजा जॉन का दरबार)

राजा जॉन : स्वागत है पादरी महोदय! अच्छी बात है तुम वापस आ गये। लेकिन मेरे तीनों प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया तो तुम्हारा सिर काट लिया जाएगा।

गड़ेरियाः मैं उन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हूँ राजन!

राजा जॉनः वाकई, सचमुच। (और वह मुस्कुराता है) तो मेरे पहले प्रश्न का उत्तर दो। मैं कब तक जिऊंगा? तुम्हें मुझे आज ही बताना होगा।

गड़ेरिया : आप उसी दिन तक जीओगे जिस दिन आपको मरना है और एक दिन भी अधिक नहीं। और आप तब मरोगे जब आप अपनी आखिरी साँस लोगे, एक भी क्षण पहले नहीं।

(राजा हँसता है)

राजा जॉन : तुम चालाक हो। चलो जाने दो, माना तुम्हारा यह उत्तर सही है। अब तुम मुझे बताओं कि मैं कब तक दुनिया के चारों ओर चक्कर लगा पाऊँगा?

गड़ेरिया : आपको सूरज के साथ उठना होगा. सूरज के साथ अपने घोड़े पर सूरज की चाल के साथ–साथ सवारी करनी होगी, जब तक कि वह अगली सुबह न उगे। जैसे ही आप इसे करेंगे आप पायेंगे कि चौबीस घण्टों में ही आपने दुनिया की सैर कर ली।

राजा जॉन : (राजा फिर हँसता है) वाकई मैंने सोचा न था कि यह काम इतना शीघ्र हो सकता है। तुम चालाक ही नहीं विद्वान भी हो। चलो इस सवाल को भी छोड़ों। तीसरे और अन्तिम प्रश्न का उत्तर– मैं क्या सोचता हूँ ?

गड़ेरिया : यह तो आसान सवाल है। आप सोचते हैं कि मैं कैन्टरबेरी का पादरी हूँ। लेकिन सत्य तो यह है कि मैं एक गरीब गड़ेरिया हूँ, और आपसे अपने लिए और उन पादरी के लिए माफी माँगने आया हूँ। (और ऐसा कहते हुए गड़ेरिये ने पादरी का लबादा उतार दिया जिसके नीचे उसके अपने कपड़े थे)।

(राजा जोरों से, और देर तक हँसता रहा)

राजा जॉन : चालाक आदमी अब तुम कैन्टरबेरी के पादरी बनोगे, उस पादरी की जगह पर।

गड़ेरिया : ओ राजन! यह संभव नहीं है। न तो मैं पढ़ सकता हूँ, न लिख सकता हूँ।

राजा जॉन : बहुत अच्छे, तब मैं तुम्हारे इस शानदार मजाक के लिए तुम्हें आज से हर सप्ताह चाँदी की चार अशर्फी दिया करूंगा, जब तक तुम जिन्दा रहोंगे और जब तुम घर पहुँचोगे तो उस पादरी से कहना कि मैंने उसे तुम्हारे कारण माफ कर दिया है।

Words Meaning

Abbot (एबॉट) - पादरी, महाधीश, किसी धार्मिक स्थान या समूह का महन्त, प्रमुख गुरु।

Knights (नाइट्स) - शूरवीर, योद्धा, (अतीत के वे सैनिक जिन्हें ऊँची पदवी दी जाती थी)।

Waited upon (वेटेड अपॉन) -सेवा को तत्पर तैयार।

Riches (रिचेज) - धन-सम्पदा, दौलत, खजाना।

Shepherd (शेपहर्ड) - गड़ेरिया।

Wit (विट) - चतुराई।

Staff (स्टॉफ) - आधार (सहारा)।

Pieces of silver (पीसेज ऑफ सिल्वर) - (यहाँ) चाँदी के सिक्के।

Harsh (हार्श) - कठोर /कर्कश

Cruel (क्रुएल) - निर्दयी।

Subject (सब्जेक्ट) - प्रजा।

Noble men (नॉबल मेन) - कुलीन/खानदानी लोग।

Dine (डाइन) - भोजन करना।

EXPLORE THE TEXT

Who said to whom ?

1. "How can you help me?"

Ans. The Abbot said to the Shepherd.

2. You shall live until the day that you die, and not one day longer."

Ans. The shepherd said to king John.

3. **“There is no question of misunderstanding you.”**

Ans. King John said to the Abbot.

4. **“I will give you four pieces of silver every week as long as you live !”**

Ans. King John said to the shepherd.

Answer the following questions:

1. **What had King John heard about the Abbot of Canterbury?**

Ans. King John had heard that the Abbot was living a better life than a king so he made up his mind to put a stop to it.

2. **What were the three questions that King John asked the Abbot to answer?**

Ans. The three questions that the king asked the Abbot was how long he (Kings) will live, secondly how soon he shall ride round the whole world and thirdly what he thinks.

3. **Why did the King ask such foolish questions?**

Ans. The king asked such foolish questions so that he might, put an end to better life, which that abbot was living and wanted all the land of the Abbot to be his as he knew that the Abbot would not be able to find answers to such foolish questions and also he was jealous of the Abbot.

4. **Was the Abbot able to answer the questions? Which places did he visit?**

Ans. No, the Abbot was not able to answer the questions. He visited the famous universities of England, the Oxford and Cambridge.

5. **Who answered the King’s questions? What were the three answers ?**

Ans. The shepherd answered the King’s questions. The first answer was that he shall live until the day that he die and not one day longer and he shall die when he takes his last breath, and not one moment before. The second answer was that he must rise with the sun and he must ride with the sun until it rises again the next morning. As soon as he does that he will find that he has ridden round the world in 24 hours. The third answer was he tells that it is an easy question. You think that I am the Abbot of Canterbury but to tell you the truth, I am only his poor shepherd, and I have come to beg your pardon for him and for me.

Word Power

In the phrase "brave knights' the word 'brave' describes the noun 'knight'.

Find suitable adjectives from the text used with these nouns:

1. .....staff.
2. .....gown.
3. .....master.
4. .....chains.
5. .....coats.
6. .....men.

Ans. 1. Honest 2. Beautiful 3. Strict 4. Golden 5. Long 6. Brave.

Q. Read the text thrroughly and Match the phrases in Column-A with those in Column-B to complete the sentence :

Column-A	**Column-B**
You shall live until the day.	a wise man wit?
But if you fail to answer my three questions.	as long as you live.
Have you never yet heard that a fool may teach.	die in your place.
If nothing else can be done I can at least.	I shall cut your head.
I will give you four pieces of silver every week.	that you die.

Ans.

Column-A	**Column-B**
You shall live until the day.	that you die.
But if you fail to answer my three questions.	I shall cut your head.

Have you never yet heard that a	a wise man wit?
fool may teach	
If nothing else can be done I can	die in your place.
at least.	
I will give you four pieces of as long as you live.	as long as you live.
silver every week.	

Q. Now try to write the correct form of the Possessive nouns in the blanks :

(a) This is my ..... (sister) book.

(b) The ..... (children)room is upstairs.

(c) We went to our English ..... (teacher) house yesterday.

(d) Someone stole the.....(bird) eggs.

(e) All the.....(girls) dresses were wet.

(f) The..... (men) room was locked.

(g) Which way is the ..... (nurses) room?

Ans. (a) sister's (b) children's (c) teacher's (d) bird's (e) girls'

(f) men's (g) nursess'